BACHELOR OF ARTS (GENERAL) (BAG)

Term-End Examination DECEMBER

BPSC-133: COMPARATIVE GOVERNMENT AND POLITICS

"IMPORTANT QUESTIONS"

Scholarly Minds

What are the main functions of political parties?

राजनीतिक दलों की मुख्य भूमिका की चर्चा कीजिए।

1. **Representation of the People**
   Political parties represent the interests, needs, and desires of different sections of society. They act as a bridge between the government and the public.

   लोगों का प्रतिनिधित्व
   राजनीतिक दल समाज के विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं और इच्छाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये सरकार और जनता के बीच सेतु का कार्य करते हैं।

2. **Forming Governments**
   Political parties contest elections and, if they gain a majority, form the government. They create policies and make decisions for the welfare of the country.

   सरकार का गठन
   राजनीतिक दल चुनावों में भाग लेते हैं और यदि वे बहुमत प्राप्त करते हैं, तो सरकार बनाते हैं। वे नीतियाँ बनाते हैं और देश की भलाई के लिए निर्णय लेते हैं।

3. **Policy Formulation**
   Political parties formulate policies and programs based on the needs of the people. These policies guide the government in making decisions.

   नीति निर्माण
   राजनीतिक दल जनता की आवश्यकताओं के आधार पर नीतियाँ और कार्यक्रम तैयार करते हैं। ये नीतियाँ सरकार को निर्णय लेने में मार्गदर्शन प्रदान करती हैं।

4. **Political Education**
   Political parties educate the public about their rights, the political system, and important national issues, thereby increasing political awareness.

राजनीतिक शिक्षा
राजनीतिक दल जनता को उनके अधिकारों, राजनीतिक प्रणाली और राष्ट्रीय मुद्दों के बारे में शिक्षित करते हैं, जिससे राजनीतिक जागरूकता बढ़ती है।

5. **Accountability**
   Political parties keep the government accountable for its actions. They ensure that the government works according to the promises made during the election campaign.

जवाबदेही
राजनीतिक दल सरकार को उसके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराते हैं। वे यह सुनिश्चित करते हैं कि सरकार चुनावी अभियान के दौरान किए गए वादों के अनुसार काम करे।

6. **Mobilizing Support**
   Political parties mobilize public opinion, garner support for their ideas, and organize voters during elections to ensure victory.

समर्थन जुटाना
राजनीतिक दल जनमत तैयार करते हैं, अपने विचारों के लिए समर्थन प्राप्त करते हैं और चुनावों के दौरान मतदाताओं को संगठित करते हैं ताकि जीत सुनिश्चित हो सके।

These functions are essential for a healthy democracy as they help in shaping public policies and holding the government accountable to the people.

ये कार्य स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये सार्वजनिक नीतियों को आकार देने और सरकार को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने में मदद करते हैं।

Discuss the differences between the parliamentary and the presidential forms of government.

संसदीय और राष्ट्रीय शासन प्रणाली की सरकारों के बीच अंतर की चर्चा कीजिए.

1. **Head of Government**
   - In a **parliamentary system**, the **Prime Minister** is the head of government, and the **President** (or monarch, in some countries) is the ceremonial head of state. The Prime Minister is chosen from the majority party or coalition in the legislature.
   - In a **presidential system**, the **President** is both the head of state and head of government. The President is directly elected by the people, and holds substantial executive powers.

सरकार के प्रमुख

   - **संसदीय प्रणाली** में, **प्रधानमंत्री** सरकार के प्रमुख होते हैं, और **राष्ट्रपति** (या कुछ देशों में सम्राट) एक अनुष्ठानिक राज्य प्रमुख होते हैं। प्रधानमंत्री को संसद में बहुमत पार्टी या गठबंधन से चुना जाता है।
   - **राष्ट्रपति प्रणाली** में, **राष्ट्रपति** राज्य और सरकार दोनों के प्रमुख होते हैं। राष्ट्रपति को सीधे जनता द्वारा चुना जाता है और उनके पास व्यापक कार्यकारी शक्तियाँ होती हैं।
2. **Relationship Between Executive and Legislature**

Scholarly Minds

- In a **parliamentary system**, there is a close relationship between the executive (Prime Minister and Cabinet) and the legislature (Parliament). The executive is responsible to the legislature, and can be removed through a vote of no confidence.
- In a **presidential system**, the executive (President) is separate from the legislature. The President cannot be easily removed by the legislature, except through impeachment.

कार्यपालिका और विधायिका के बीच संबंध

- **संसदीय प्रणाली** में, कार्यपालिका (प्रधानमंत्री और कैबिनेट) और विधायिका (संसद) के बीच घनिष्ठ संबंध होता है। कार्यपालिका विधायिका के प्रति जवाबदेह होती है, और उसे अविश्वास प्रस्ताव द्वारा हटाया जा सकता है।
- **राष्ट्रपति प्रणाली** में, कार्यपालिका (राष्ट्रपति) और विधायिका अलग-अलग होते हैं। राष्ट्रपति को विधायिका द्वारा आसानी से नहीं हटाया जा सकता, सिवाय महाभियोग के।

3. **Formation of Government**
   - In a **parliamentary system**, the government is formed by the party or coalition that holds the majority of seats in the legislature. The Prime Minister is the leader of this majority.
   - In a **presidential system**, the President is directly elected by the people, and the executive branch is independent of the legislature.

सरकार का गठन

- **संसदीय प्रणाली** में, सरकार उस पार्टी या गठबंधन द्वारा बनाई जाती है जो संसद में बहुमत सीटें जीतती है। प्रधानमंत्री इस बहुमत का नेता होता है।
- **राष्ट्रपति प्रणाली** में, राष्ट्रपति को सीधे जनता द्वारा चुना जाता है, और कार्यकारी शाखा विधायिका से स्वतंत्र होती है।

4. **Dissolution of Government**
   - In a **parliamentary system**, the government can be dissolved by the Prime Minister, and new elections may be called. The government can also be dissolved through a no-confidence vote.
   - In a **presidential system**, the government cannot be dissolved by the President. The term of office for the President and legislature is fixed, and they serve for a predetermined period.

सरकार का विघटन

- **संसदीय प्रणाली** में, प्रधानमंत्री द्वारा सरकार को भंग किया जा सकता है, और नए चुनावों की घोषणा की जा सकती है। सरकार को अविश्वास प्रस्ताव के द्वारा भी भंग किया जा सकता है।
- **राष्ट्रपति प्रणाली** में, राष्ट्रपति द्वारा सरकार को भंग नहीं किया जा सकता। राष्ट्रपति और विधायिका का कार्यकाल निश्चित होता है और वे पूर्व निर्धारित समय अवधि तक सेवा करते हैं।

5. **Decision-Making Process**

Scholarly Minds

- In a **parliamentary system**, decision-making is faster because the executive and legislature work closely together. The government can make and implement policies more efficiently.
- In a **presidential system**, decision-making can be slower due to the separation of powers. The executive and legislature may be from different political parties, leading to potential conflicts.

निर्णय लेने की प्रक्रिया

- **संसदीय प्रणाली** में, निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज़ होती है क्योंकि कार्यपालिका और विधायिका एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करती हैं। सरकार नीतियाँ जल्दी बना और लागू कर सकती है।
- **राष्ट्रपति प्रणाली** में, निर्णय लेने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है क्योंकि शक्तियाँ अलग-अलग शाखाओं में विभाजित होती हैं। कार्यपालिका और विधायिका विभिन्न राजनीतिक दलों से हो सकती हैं, जिससे संघर्ष हो सकता है।

6. **Stability of the Government**
   - A **parliamentary system** can be less stable, as the government can be easily removed through a vote of no confidence. Coalitions can break down, leading to frequent changes in government.
   - A **presidential system** tends to be more stable because the President serves a fixed term and cannot be easily removed.

सरकार की स्थिरता

- **संसदीय प्रणाली** कम स्थिर हो सकती है, क्योंकि सरकार को आसानी से अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से हटा दिया जा सकता है। गठबंधन टूट सकते हैं, जिससे सरकार में बार-बार परिवर्तन हो सकता है।
- **राष्ट्रपति प्रणाली** अधिक स्थिर होती है, क्योंकि राष्ट्रपति एक निश्चित कार्यकाल के लिए कार्य करता है और उसे आसानी से नहीं हटाया जा सकता।

Analyse the advantages and disadvantages of the presidential system.
अध्यक्ष शासन व्यवस्था के गुण और दोषों की चर्चा कीजिए।

Advantages of the Presidential System (अध्यक्ष शासन व्यवस्था के लाभ):

1. **Stability of Government (सरकार की स्थिरता):**
   - In a presidential system, the president is elected for a fixed term (usually 4-6 years). This ensures stability as the government cannot be easily dissolved or changed, unlike a parliamentary system where a no-confidence motion can destabilize the government.
   - अध्यक्ष शासन व्यवस्था में राष्ट्रपति का चुनाव एक निश्चित कार्यकाल (सामान्यतः 4-6 साल) के लिए होता है। इससे स्थिरता सुनिश्चित होती है, क्योंकि सरकार को आसानी से भंग या बदल नहीं सकती है, जैसे कि संसदीय प्रणाली में अविश्वास प्रस्ताव द्वारा सरकार अस्थिर हो सकती है।
2. **Separation of Powers (शक्तियों का पृथक्करण):**

Scholarly Minds

- The presidential system ensures a clear separation of powers between the executive (President), the legislature (Congress), and the judiciary (Courts). This separation prevents the concentration of power in a single branch and helps in maintaining a system of checks and balances.
- राष्ट्रपति प्रणाली में कार्यपालिका (राष्ट्रपति), विधायिका (संसद), और न्यायपालिका (अदालतों) के बीच शक्तियों का स्पष्ट पृथक्करण होता है। यह पृथक्करण एक ही शाखा में शक्ति के एकत्रित होने को रोकता है और संतुलन और जांच की व्यवस्था बनाए रखता है।

3. **Clear Leadership (स्पष्ट नेतृत्व):**
   - The president serves as both the head of state and head of government, providing clear and decisive leadership. There is no ambiguity about the leadership, and the president is directly accountable to the people.
   - राष्ट्रपति राज्य और सरकार दोनों के प्रमुख होते हैं, जिससे स्पष्ट और निर्णायक नेतृत्व प्राप्त होता है। नेतृत्व के बारे में कोई अस्पष्टता नहीं होती है, और राष्ट्रपति सीधे जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं।
4. **Direct Election (प्रत्यक्ष चुनाव):**
   - The president is elected directly by the people, which gives the president a strong democratic mandate. This form of election reflects the will of the people and strengthens the legitimacy of the president.
   - राष्ट्रपति को सीधे जनता द्वारा चुना जाता है, जिससे राष्ट्रपति को मजबूत लोकतांत्रिक जनादेश मिलता है। यह चुनाव प्रक्रिया जनता की इच्छाओं का प्रतिनिधित्व करती है और राष्ट्रपति की वैधता को मजबूत करती है।
5. **Independence of Executive (कार्यपालिका की स्वतंत्रता):**
   - The president does not need the support of the legislature to stay in power, unlike the prime minister in a parliamentary system who depends on the majority support in the legislature. This can lead to more consistent policies and decision-making.
   - राष्ट्रपति को सत्ता में बने रहने के लिए विधायिका का समर्थन नहीं चाहिए, जैसे कि संसदीय प्रणाली में प्रधानमंत्री को विधायिका में बहुमत समर्थन की आवश्यकता होती है। यह अधिक स्थिर नीतियों और निर्णय-निर्माण की संभावना पैदा करता है।

Disadvantages of the Presidential System (अध्यक्ष शासन व्यवस्था के दोष):

1. **Potential for Authoritarianism (तानाशाही की संभावना):**
   - Since the president holds significant executive power, there is a risk of the president becoming authoritarian or abusing their power, especially if there are weak checks and balances. This centralization of power can undermine democratic values.
   - क्योंकि राष्ट्रपति के पास महत्वपूर्ण कार्यकारी शक्तियाँ होती हैं, ऐसे में राष्ट्रपति के तानाशाही बन जाने या अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करने का खतरा रहता है, खासकर जब जांच और संतुलन कमजोर होते हैं। शक्ति का केन्द्रीयकरण लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर सकता है।
2. **Conflict Between Executive and Legislature (कार्यपालिका और विधायिका के बीच संघर्ष):**
   - In a presidential system, the executive (president) and the legislature (congress) are often from different political parties. This can lead to gridlock,

Scholarly Minds

where the president and legislature fail to work together on key issues, slowing down the legislative process.
    - राष्ट्रपति प्रणाली में, कार्यपालिका (राष्ट्रपति) और विधायिका (संसद) अक्सर विभिन्न राजनीतिक दलों से होते हैं। इससे गतिरोध (Gridlock) उत्पन्न हो सकता है, जहाँ राष्ट्रपति और विधायिका महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक साथ काम करने में असमर्थ होते हैं, जिससे विधायी प्रक्रिया धीमी हो जाती है।
3. **Lack of Flexibility (लचीलापन की कमी):**
    - Since the president is elected for a fixed term, it is difficult to remove an ineffective or unpopular president before their term ends. This lack of flexibility can lead to governance issues if the president is unable to perform effectively.
    - चूँकि राष्ट्रपति का चुनाव एक निश्चित कार्यकाल के लिए होता है, इसलिए एक अप्रभावी या अप्रिय राष्ट्रपति को उनके कार्यकाल समाप्त होने से पहले हटाना मुश्किल होता है। यह लचीलापन की कमी शासन में समस्याएँ उत्पन्न कर सकती है।
4. **Risk of Political Polarization (राजनीतिक ध्रुवीकरण का जोखिम):**
    - The direct election of the president can lead to political polarization, as the election is often a contest between two major political parties. This can deepen divisions within the country, especially if the president's mandate is seen as contentious.
    - राष्ट्रपति का प्रत्यक्ष चुनाव राजनीतिक ध्रुवीकरण का कारण बन सकता है, क्योंकि चुनाव अक्सर दो प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच मुकाबला होता है। यह देश में विभाजन को गहरा कर सकता है, खासकर यदि राष्ट्रपति का जनादेश विवादास्पद हो।

Examine the significance and relevance of the comparative study of politics.

राजनीति के तुलनात्मक अध्ययन के महत्व और प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।

The **comparative study of politics** involves the systematic comparison of political systems, institutions, processes, and behaviors across different countries or regions. It helps to understand the similarities and differences in political structures and practices, offering valuable insights into how different systems of governance function.

राजनीति का **तुलनात्मक अध्ययन** विभिन्न देशों या क्षेत्रों के राजनीतिक प्रणालियों, संस्थाओं, प्रक्रियाओं और व्यवहारों की व्यवस्थित तुलना करता है। यह राजनीतिक संरचनाओं और प्रथाओं में समानताओं और भिन्नताओं को समझने में मदद करता है, जिससे यह जानने में सहायक होता है कि विभिन्न शासन प्रणालियाँ किस प्रकार से कार्य करती हैं।

1. Understanding Different Political Systems (विभिन्न राजनीतिक प्रणालियों को समझना)

- Comparative politics allows for the examination of various political systems, such as democracies, authoritarian regimes, and hybrid systems. By comparing these systems, scholars and policymakers can identify patterns, advantages, and drawbacks in each system.

Scholarly Minds

- तुलनात्मक राजनीति विभिन्न राजनीतिक प्रणालियों, जैसे लोकतंत्र, तानाशाही और मिश्रित प्रणालियों, का अध्ययन करने का अवसर देती है। इन प्रणालियों की तुलना करने से विद्वान और नीति-निर्माता प्रत्येक प्रणाली में पैटर्न, लाभ और नुकसानों को पहचान सकते हैं।

2. Learning from Other Countries (अन्य देशों से सीखना)

- The comparative study of politics helps nations learn from each other's successes and failures. For example, a country facing challenges in governance can examine how other countries have addressed similar issues like corruption, poverty, or political instability.
- राजनीति के तुलनात्मक अध्ययन से देशों को एक-दूसरे की सफलताओं और विफलताओं से सीखने का अवसर मिलता है। उदाहरण के लिए, एक ऐसा देश जो शासन में समस्याओं का सामना कर रहा हो, वह देख सकता है कि अन्य देशों ने भ्रष्टाचार, गरीबी या राजनीतिक अस्थिरता जैसी समान समस्याओं को कैसे हल किया है।

3. Identifying Global Political Trends (वैश्विक राजनीतिक रुझानों की पहचान)

- A comparative approach helps in identifying global political trends, such as the rise of populism, the spread of democracy, or the shift towards authoritarianism. By comparing countries at different stages of development or different political regimes, scholars can predict potential future trends.
- तुलनात्मक दृष्टिकोण वैश्विक राजनीतिक रुझानों की पहचान करने में मदद करता है, जैसे पॉपुलिज़्म का उभार, लोकतंत्र का प्रसार, या तानाशाही की ओर झुकाव। विभिन्न विकास चरणों या विभिन्न राजनीतिक शासन प्रणालियों वाले देशों की तुलना करके, विद्वान भविष्य के संभावित रुझानों का अनुमान लगा सकते हैं।

4. Informing Policy Decisions (नीति निर्णयों को सूचित करना)

- Policymakers can use insights from the comparative study of politics to design more effective policies. By understanding what has worked in other countries, they can apply similar strategies or avoid pitfalls that others have faced.
- नीति-निर्माता राजनीति के तुलनात्मक अध्ययन से प्राप्त ज्ञान का उपयोग अधिक प्रभावी नीतियाँ बनाने के लिए कर सकते हैं। यह समझकर कि अन्य देशों में क्या काम किया है, वे समान रणनीतियाँ अपना सकते हैं या उन समस्याओं से बच सकते हैं जिनका सामना अन्य देशों ने किया है।

5. Improving Democracy (लोकतंत्र को सुधारना)

- By comparing democratic systems across countries, scholars can identify the strengths and weaknesses of different democratic models. This can provide insights into how to improve democratic institutions and practices in both established and emerging democracies.
- विभिन्न देशों में लोकतांत्रिक प्रणालियों की तुलना करके, विद्वान विभिन्न लोकतांत्रिक मॉडलों की ताकत और कमजोरियों की पहचान कर सकते हैं। इससे यह समझने में मदद मिलती है कि स्थापित और उभरते लोकतंत्रों में लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रथाओं को कैसे सुधारें।

Scholarly Minds

PDF IS ON MY WEBSITE hindustanknowledge.com

Join whatsapp channel for links

Scholarly Minds